302. [*Transferred to the 7th May, 1992*]

Supply of Products by ONGC, Dehradun

303. PROF. SAURIN BHATTACHARYA : Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether Government propose to advise the Oil and Natural Gas Commission, Dehradun to augment the supplies of products as are equally available from various public sector undertakings ;

(b) whether it is a fact that a few of the public sector companies are failing in their efforts to contribute substantially to meet the requirement of Oil and Natural Gas Commission of certain items which the Oil and Natural Gas Commission is marketing mostly from other sources ;

(c) whether it is also a fact that quality and prices are much suited to Oil and Natural Gas Commission of these public sectors compared to what are provided by other sources ;

(d) if so, the details thereof and reasons therefor ; and

(e) what further efforts are being made to direct the Oil and Natural Gas Commission to utilise the available capacities of those other Government undertaking, at least of Central Government whenever such products are required by oil and Natural Gas Commission ?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND). (a) to (e) Procurement of materials and services is done in ONGC through Competitive Bidding, where there is a provision for price preference to domestic suppliers including Public Sector Undertakings. In addition ONGC has been placing orders on Public Sector Companies for offshore platforms etc. on nomination basis.

रूसी एजेंसियों द्वारा तेल की खोज

304. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**

श्री रणजीत सिंह :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि तेल और प्राकृतिक गैस आयोग और रूस की एक एजेंसी के बीच दिसम्बर, 1988 में हुए एक समझौते के द्वारा उसे पश्चिमी बंगाल में गंगा नदी के थाले में तेल की खोज करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि उस समझौते के अनुसार तेल की खोज प्रारंभ कर दी गई थी ;

(ग) यदि हां, तो दिसम्बर, 1991 तक उस कार्य पर कुल कितनी धनराशि व्यय की गई है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि फिलहाल इस कार्य को रोक दिया गया है; और

(ङ) यदि हां, तो इस कार्य को रोकने के क्या कारण हैं और अब तक की गई तेल की खोज के कार्य के परिणामस्वरूप कितनी मात्रा में तेल भंडार उपलब्ध होने की सूचना प्राप्त हुई है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) जी हां ।

(ख) जी, हां ।

(ग) 21.13 करोड़ रुपए ।

(घ) जी, हां ।

(ङ) किए गए अन्वेषण कार्य से किन्हीं तेल भण्डारों की विद्यमानता का पता नहीं चला है ।

नीलम आयल फील्ड प्रोजेक्ट के लिए ऋण

305. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**

डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में नीलम आयल फील्ड से कच्चा तेल निकालने की परियोजना के निर्माण के लिए कोरिया के निर्यात आयात बैंक से वित्तीय सहायता के रूप में एक बिलियन डालर का ऋण प्राप्त करने का निर्णय किया गया था ;